Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to reopen closed mines in Jharkhand - Laid.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा): झारखण्ड में खनिज बहुलता के कारण इसे भारत का रूर भी कहा जाता है जो कि ब्रिटेन के खनिज संपदा से परिपूर्ण एक ज़गह के नाम रूर से प्रेरित है। झारखण्ड की धरती सही अर्थों में भूगर्भा और रत्नगर्भा है। इस धरा ने अपने अंदर बहुमूल्य खनिज सम्पदाओं के विपुल भंडार को संजोये रखा है। इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार ही यहां से प्राप्त खनिज सम्पदा एवं उस पर आधारित उद्योग धंधे हैं। भारत के खनिज सम्पदा के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा झारखण्ड से ही प्राप्त किया जाता है। खनिज सम्पदाओं के अलावा इस धरती के गर्भ में क्रोमियम, मैगनीज, चीनी मिट्टी, फायर क्ले, चूना पत्थर, बेराइट, डोलोमाइट, ऐसबेस्टस, यूरेनियम, गंधक, सोना और टंगस्टन भी पाये जाते हैं। मेरी लोक सभा क्षेत्र चतरा के अंतर्गत चतरा जिले में कोयला, अर्ध कीमती पत्थर, पलामू में कोयला, चूना पत्थर, बालू पत्थर, चायनाक्ले, ग्रेफाइट, मैगनेटाइट, सोपस्टोन, डोलोमाइट, फेल्सपार, क्वाटर्ज, ईंट-पत्थर, मार्बल, ग्रेनाइट, मोरम तथा लातेहार जिला में कोयला, फायरक्ले, फेल्सपार, क्वाटर्ज, मैग्नेटाइट, चूना पत्थर, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, बालू पत्थर, मार्बल आदि प्रमुखता में पाये जाते हैं।

फायरक्ले एक खनिज पदार्थ है जिसे अग्निसह मिट्टी कहा जाता है। इसमें 1500 से 2000 डिग्री तक ताप सहने की क्षमता होती है। फायरक्ले का उपयोग ब्रिक्स बनाने, स्टील प्लांट, पावर प्लांट, विद्युत निर्माण की भट्टी निर्माण में किया जाता है। फायरक्ले देश के अधिकांश राज्यों में सरकारी एवं गैर सरकारी प्लांटों में उपयोग में लिया जा रहा है। मेरे लोक सभा क्षेत्र के लातेहार जिला में फायरक्ले बहुतायत में उपलब्ध है परंतु इसका खनन नहीं हो रहा है। यहां पर 30 से 40 खाने बंद पड़ी हैं जिससे बेरोजगारी उत्पन्न हो गयी है।

मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि इन बंद पड़ी खादानों को पुनः चालू किया जाये और फायरक्ले के खनन के लिए पट्टे जारी किए जाये। सरकार द्वारा इसके लिए बने हुए कठोर खनन कानूनों में शिथिलता प्रदान करें और नियमों का सरलीकरण किया जाये। इससे यहां पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और पलायन की समस्या का निदान होगा। साथ ही मेरे लोक सभा क्षेत्र के खनन क्षेत्र के रैयतों को अब तक अप्राप्त भूमि का मुआवजा और रोजगार उपलब्ध कराया जाये ।